भारत ने अंतरिक्ष में अपना पहला नेविगेशनल उपग्रह भेजा

भारत ने श्रीहरिकोटा स्थित प्रो. सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से अपना पहला विगेशनल उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित कर दिया। इस उपग्रह को पोलर उपग्रह प्रक्षेपण यान के माध्यम से प्रक्षेपित किया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ ही भारत अंतरिक्ष अनुप्रयोग के नए युग में प्रवेश कर गया है।

आईआरएनएसएस-1ए उपग्रह को अंतरिक्ष में साथ ले जाते हुए पीएसएलवी सी-22 का प्रक्षेपण बेहद सटीक तरीके से हुआ।

इसके प्रक्षेपण के 20 मिनट के बाद ही रॉकेट ने आईआरएनएसएस-1ए को इसकी कक्षा में स्थापित कर दिया।

इस अवसर पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए इसरो के अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन ने कहा कि आईआरएनएसएस-1ए को उसकी नियत कक्षा में कुशलता के साथ स्थापित कर दिया गया है। "यह दर्शाता है कि पीएसएलवी एक बेहद भरोसेमंद यान है और इस उड़ान के साथ ही हम देश में अंतरिक्ष अनुप्रयोग के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं और यह अंतरिक्ष नेविगेशन कार्यक्रम की शुरूआत है।"

इस उपग्रह से प्राप्त आंकड़े आपदा प्रबंधन, वाहन ट्रैकिंग, बेड़ों के प्रबंधन और नौवहन नेविगेशन के अनेक क्षेत्रों में देश के लिए मददगार होंगे।

भारत द्वारा विकसित आईआरएनएसएस-1ए उपग्रह भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली के तहत 7 उपग्रहों की श्रृंखला का पहला उपग्रह है जिसकी मिशन अवधि 10 वर्षों की है। देश में उपयोगकर्ताओं को शुद्ध स्थिति सूचना सेवा प्रदान करने के लिए इसे डिजाइन किया गया है इसके साथ ही इसका दायरा इससे 1,500 कि.मी. आगे तक भी विस्तृत है जो कि इसका प्राथमिक सेवा क्षेत्र है।